SEM-3, SE-301 BY- Dr. S. B. Choudhary

MC सृजनात्मक बालकों की शिक्षा

Education of creative children

Camlin Page 1 Date 14/12/2020

सृजनात्मक बालकों की सृजनात्मकता को पोषित व पल्लवित करने के लिए इन्हें (उन्हें) उचित परिवेश प्रदान करने की जरूरत होती है। वस्तुतः उचित परिवेश, देखरेख व प्रशिक्षण के अभाव में प्रायः बालकों की सृजनात्मकता अकाल मृत्यु को प्राप्त हो जाती है। इसलिए माता-पिता, अभिभावकों तथा शिक्षकों का यह कर्तव्य हो जाता है कि वे बालकों की सृजनात्मक योग्यता को बढ़ाने के लिए उन्हें अनुकूल वातावरण उपलब्ध करायें। अनुकूल परिस्थितियों की प्रस्तुति तथा उचित अभिप्रेरण के द्वारा सृजनात्मकता का विकास किया जा सकता है। विविधता, मौलिकता, प्रवाह, विस्तारण, लचीलापन, संवेदनशीलता, आत्मविश्वास, परिश्रम, आकांक्षा, तार्किक क्षमता आदि योग्यतायें सृजनात्मकता के विकास में काफी सहायक सिद्ध हो सकती हैं। सृजनात्मक बालकों की शिक्षा में निम्न बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

(I) उत्तर देने की स्वतंत्रता (Freedom to respond) - रटे-रटाये या घिसे-पिटे उत्तरों की अपेक्षा न करके उत्तर देने की स्वतंत्रता

(II) मौलिकता को प्रोत्साहन (Encouragement for originality) मौलिक चिन्तन को प्रोत्साहन। अंधाधुंध अनुसरण या निष्क्रिय अधिगम को हतोत्साहित करना चाहिए

(III) अहं अभिव्यक्ति के लिए अवसर (Opportunity for Ego-involvement) - बालकों को अनुभव कराना कि अमुक कार्य उनके द्वारा किया गया है।